पाठ योजना

बीए प्रथम वर्ष

विषय संस्कृतम्

सत्र 2024- 25

प्रथम सेमेस्टर संस्कृत माइनर प्रयोगात्मक संस्कृत

अध्यापक का नाम: ------- डॉ सुखबीर सिंह

मास	पाठ्यक्रम
जुलाई (22 -31) 2024	संस्कृत संभाषण
अगस्त (01-15) 2024	संस्कृत संभाषण
अगस्त (16-31) 2024	अनुवाद हिंदी से संस्कृत
सितंबर (1-15)2024	अनुवाद हिंदी से संस्कृत
सितंबर(16-30) 2024	फल शाकादिनामानि
अक्टूबर (01-05)2024	**मिड टर्म एग्जाम**
अक्टूबर (7-19)2024	श्रीमद्भगवद्गीता के दो श्लोकों का कंठस्थीकरण
अक्टूबर (21-26)2024	प्रयोजना कार्य(असाइनमेंट)
27-10-2024 से03-11-2024	अवकाश
नवंबर(4-16)2024	कारक विभक्ति
नवंबर(18-22)2024	पुनरावृत्ति

विशेष नोट :---	विभागीय गतिविधि के रुप में (बीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों हेतु) स्वनाम परिचय तथा संस्कृत संख्यावाची शब्दों का प्रयोग आयोजित किया जाएगा।
पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (सीएलओ): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, शिक्षार्थी सक्षम होंगे:	संस्कृत संभाषण के माध्यम से छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान एवं संस्कृत भाषा के माध्यम से संभाषण प्रक्रिया के द्वारा प्रयोगात्मक संस्कृत की शिक्षा छात्रों को दी जाती है संस्कृत भाषा को सरल एवं सुबोध रूप से जानने के लिए संस्कृत भाषा का अनुवाद महत्वपूर्ण है अनुवाद के माध्यम से छात्र भाषा का लेखन एवं उच्चारण समझ सकते हैं भाषा शिक्षण के तीन माध्यम है बोलना सुनना और लिखना यही बोध छात्रों को दिया जाता है इस घटक के माध्यम से छात्रों को फल और सब्जियों के संस्कृत नाम से परिचित कराया जाएगा कारक भाषा को जानने एवं प्रयोग की एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है कारकों के माध्यम से क्रिया की जो प्रक्रिया है वह पूर्ण होती है कारकों का प्रयोग कैसे किया जाता है यही बोध छात्रों को दिया जाता है उपर्युक्त प्रकार से पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र इन सभी सोपानों के बारे में अवगत होंगे।

15.07.2024

डॉ सुखबीर सिंह
सहायक आचार्य संस्कृत

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha(Ambala)

पाठ योजना

बीए प्रथम वर्ष

विषय संस्कृतम्

सत्र 2024- 25

प्रथम सेमेस्टर नीति साहित्य एवं व्याकरण

अध्यापक का नाम: ------- डॉ सुखबीर सिंह

मास	पाठ्यक्रम
जुलाई (22 -31) 2024	हितोपदेश मित्र लाभ प्रस्तावना पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या कथासार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (01-15) 2024	हितोपदेश वृद्ध व्याघ्र पथिककथा पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या कथासार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (16-31) 2024	हितोपदेश वृद्ध व्याघ्र पथिककथा पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
सितंबर (1-15)2024	नीति शतक श्लोक संख्या एक से 10 11 से 20 21 से 30 व्याख्या श्लोकों का सरलार्थ एक सूक्ति की व्याख्या (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर) कक्षा परीक्षा

सितंबर(16-30) 2024	नीति शतक श्लोक संख्या 31 से 40 41 से 50 व्याख्या श्लोकों का सरलार्थ एक सूक्ति की व्याख्या संस्कृत व्याकरण शब्द रूप राम कवि भानु पितृ लता अस्मद् विद्वस् राजन् तद् तीनों लिंगों में ,एक तीनों लिंगों में
अक्टूबर (01-05)2024	**मिड टर्म एग्जाम**
अक्टूबर (7-19)2024	धातु रुप में भू हस् नम् गम् दृश् हन् कृ नी याच् वच् संधि अच् संधि हल् संधि विसर्ग संधि कंठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेखन। प्रयोजना कार्य(असाइनमेंट)
अक्टूबर (21-26)2024	
27-10-2024 से03-11-2024	अवकाश
नवंबर(4-16)2024	संधि अच् संधि हल् संधि विसर्ग संधि कंठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेखन।
नवंबर(18-22)2024	पुनरावृत्ति
विशेष नोट :---	विभागीय गतिविधि के रुप में (बीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों हेतु) स्वनाम परिचय तथा संस्कृत संख्यावाची शब्दों का प्रयोग आयोजित किया जाएगा। संस्कृत भाषा में ज्ञान की सरल मनोवैज्ञानिक विधियों केद्वारा छात्रों को बोध कराने के लिए अनेक ग्रंथ कहानी के रुप में लिखे गए जैसे पंचतंत्र हितोपदेश आदि इस घटक में हितोपदेश के मित्र लाभ प्रकरण

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (सीएलओ): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, शिक्षार्थी सक्षम होंगे:	से छात्रों को संस्कृत भाषा में प्रवेश करवाया जाता है ।नीति शतक भारतीय नीति शास्त्र तथा सुभाषित के रुप में जाना जाता है भर्तृहरि द्वारा रचित नीति शतक के प्रथम 50 श्लोकों के माध्यम से छात्रों को न्याय एवं नीति के समाज बोध की शिक्षा देने का प्रयास किया गया है संस्कृत भाषा में प्रवेश के लिए छात्रों को व्याकरण के प्रथम सोपान धातु रुप तथा शब्द रुपों का ज्ञान होना आवश्यक है इस घटक में छात्रों को सरल धातु रुपों से परिचय करवाया जाता है ताकि वे संस्कृत भाषा समझने में तत्पर हो सके भाषा में संधियों का प्रयोग परम आवश्यक है इस घटक में छात्रों को संस्कृत भाषा की संधियों का बोध करवाया जाता है ताकि वे भाषा को आसानी से समझ सके क्योंकि संधि में पदों को अलग-अलग करके अर्थ को आसानी से जाना जा सकता है।उपर्युक्त प्रकार से पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र इन सभी सोपानों के बारे में अवगत होंगे।

15.07.2024

डॉ सुखबीर सिंह
सहायक आचार्य संस्कृत

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha(Ambala)

पाठ योजना

कक्षा बीए द्वितीय वर्ष

विषय संस्कृतम्

सत्र 2024- 25

तृतीय सेमेस्टर ऐतिहासिक महाकाव्य एवं व्याकरण

अध्यापक का नाम: ------- डॉ सुखबीर सिंह

मास	पाठ्यक्रम
जुलाई (22 -31) 2024	महाभारत यक्ष युधिष्ठिर संवाद। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (01-15) 2024	महाभारत यक्ष युधिष्ठिर संवाद। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (16-31) 2024	महाभारत यक्ष युधिष्ठिर संवाद। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर रामायण अयोध्या कांड
सितंबर (1-15)2024	रामायण अयोध्या कांड शत तमःसर्ग सरलार्थ विषय वस्तु संबंधित प्रश्न सार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर) कक्षा परीक्षा ....

मास	पाठ्यक्रम
सितंबर(16-30) 2024	संस्कृत व्याकरण समास अव्ययीभाव तत्पुरुष समास बहुव्रीहि द्वंद समास **मिड टर्म एग्जाम**
अक्टूबर (01-05)2024	कृत प्रत्यय कत्वा तुमुन् ण्यत् यत् क्त क्तवतु शतृ शानच् तव्य अनीयर
अक्टूबर (7-19)2024	लघुसिद्धांतकौमुदी प्रत्याहार सूत्र माहेश्वरसूत्र
अक्टूबर (21-26)2024	प्रयोजना कार्य(असाइनमेंट)
27-10-2024 से03-11-2024	अवकाश
नवंबर(4-16)2024	संख्यावाची संस्कृत शब्द । पत्र लेखन
नवंबर(18-22)2024	पुनरावृत्ति
विशेष नोट :---	विभागीय गतिविधि के रुप में (बीए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु) प्रत्याहार सूत्र वाचन तथा महाभारत यक्ष युधिष्ठिर संवाद आधारित किसी एक प्रश्न का व्याख्यान आयोजित किया जाएगा।
पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम	महाभारत विश्व प्रसिद्ध महाकाव्य है। इसे पंचम वेद की संज्ञा दी गई है। महाभारत के वन पर्व में यक्ष युधिष्ठिर संवाद के माध्यम से धर्म अधर्म नीति अनीति इत्यादि का प्रश्न उत्तर के माध्यम से छात्रों को न्याय नीति संबंधी शिक्षा दी जाती है। रामायण लौकिक साहित्य का महत्वपूर्ण ग्रंथ है । रामायण भारतीय परंपरा का जीवंत ग्रंथ है इस इकाई में राम के गुण कार्य और उसके राष्ट्र प्रेम से छात्रों को अवगत

(सीएलओ): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, शिक्षार्थी सक्षम होंगे:	करवाया जाता है व्याकरण के बिना भाषा अधूरी है संस्कृत व्याकरण का आदि ग्रंथ अष्टाध्यायी है जो वैज्ञानिक आधार रखता है प्रस्तुत घटक में समासों के माध्यम से छात्रों को भाषा का संक्षेपीकरण एवं सरल बोध करवाया जाता है ।व्याकरण के आरंभ में माहेश्वर सूत्र है जो संस्कृत भाषा की वैज्ञानिक वर्णमाला कहलाती है। इसमें सभी वर्णों का समावेश भाषा वैज्ञानिक आधार पर किया गया है इससे छात्रों को वर्णमाला एवं उच्चारण दिशा में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है ।पत्र लेखन के माध्यम से छात्र संस्कृत भाषा में पत्र व्यवहार सीखते हैं उपर्युक्त प्रकार से पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र इन सभी सोपानों के बारे में अवगत होंगे।

15.07.2024

डॉ सुखबीर सिंह
सहायक आचार्य संस्कृत

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha(Ambala)

पाठ योजना

कक्षा बीए तृतीय वर्ष

विषय संस्कृतम्

सत्र 2024- 25

पंचम सेमेस्टर संस्कृत (ऐच्छिक)

अध्यापक का नाम: - डॉ सुखबीर सिंह

मास	पाठ्यक्रम
जुलाई (22 -31) 2024	महाकवि कालिदास विरचित अभिज्ञानशाकुंतलम् नाटक का प्रथम अंक। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सूक्ति व्याख्या अंकसार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (01-15) 2024	द्वितीय अंक । पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सूक्ति व्याख्या अंकसार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (16-31) 2024	तृतीय अंक । पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सूक्ति व्याख्या अंकसार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
सितंबर (1-15)2024	चतुर्थ अंक। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सूक्ति व्याख्या अंकसार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर) कक्षा परीक्षा

मास	पाठ्यक्रम
सितंबर(16-30) 2024	कालिदास जीवन परिचय काल विवेचन काव्य शैली नाट्य शैली
अक्टूबर (01-05)2024	**मिड टर्म एग्जाम**
अक्टूबर (7-19)2024	संस्कृत साहित्य का इतिहास वैदिक साहित्य संहिता ब्राह्मण आरण्यक उपनिषद वेदांग साहित्य
अक्टूबर (21-26)2024	लघुसिद्धांतकौमुदी विभक्त्यर्थ प्रकरण सूत्रव्याख्या वाक्य रचना अशुद्धि संशोधन प्रयोजना कार्य(असाइनमेंट)
27-10-2024 से 03-11-2024	अवकाश
नवंबर(4-16)2024	अलंकार अनुप्रास श्लेष यमक उपमा उत्प्रेक्षा रूपक अतिशयोक्ति विशेषोक्ति विभावना अर्थान्तरन्यास पुनरावृत्ति
नवंबर(18-22)2024	पुनरावृत्ति
विशेष नोट :---	विभागीय गतिविधि के रुप में (बीए तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु) स्वरचित पत्र वाचन तथा कालिदास आधारित किसी एक प्रश्न का व्याख्यान आयोजित किया जाएगा।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (सीएलओ): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, शिक्षार्थी सक्षम होंगे:	महाकवि कालिदास एवं उनकी कृतियों में वर्णित सौंदर्य बोध को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे। कालिदास के समय की परिस्थितियों सामाजिक जीवन मानवीय मूल्यों के बारे में अवगत होंगे। संस्कृत साहित्य को समझने की दिशा में प्रेरित होंगे। संस्कृत व्याकरण तथा अलंकार शास्त्र के अध्ययन के प्रति प्रेरित होंगे।

15-07-2024

डॉ सुखबीर सिंह
सहायक आचार्य संस्कृत

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha(Ambala)

सत्र → २०२४ - २५ (2024-2025)

उच्चतर शिक्षा विभाग के पत्रसंख्या -9|44|2023 CO(3) दिनांकित 21.02.2023 के अनुपालनार्थ "संस्कृतविषय समाज" के संघटन में निम्नलिखित परिवर्तन किये गये हैं; जो सत्र २०२४-२५ के लिये मान्य होंगे :—

1. छात्रप्रतिनिधि -: सुशीलकुमार 2233 बी.ए. तृतीयवर्ष
2. उपप्रतिनिधि -: जूली कुमारी - 2033 बी.ए. तृतीयवर्ष
3. PR HEAD (उपसचिव) -: निधि 2004 बी.ए. द्वितीयवर्ष
4. खजाँची -: रजनी 2059 बी.ए. द्वितीयवर्ष
5. सचिव -: रजनी 2027 बी.ए. द्वितीयवर्ष

16.07.2024

विशेष नोट: - बी.ए. प्रथमवर्ष से प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के बाद 02 विद्यार्थियों को सदस्य के रूप में इस समिति से जोड़ लिया जायेगा।

16.07.2024